मूल्यों के प्रसार से जीवन परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकता है मीडिया

ज्ञानसरोवर। ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने मीडिया कर्मियों से आह्वान किया है कि वे ऐसे समाचार प्रसारित करें कि जिससे पूरी दुनिया को सही दिशा मिले। आज ज्ञानसरोवर परिसर में ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महासम्मेलन को विडियो काम्फ्रेन्सिंग के द्वारा सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि समय की मांग है कि ईश्वरीय ज्ञान का व्यापक प्रसार किया जाए। इससे ही जीवन आदर्शमयी बन सकेगा। परमात्मा से जितना अधिक लोगों का जुड़ाव होगा उतनी ही उन्हें अधिक शक्ति प्राप्त होगी। ज्ञान व राजयोग के बल पर विश्व को परिवर्तित करना संभव होगा। मीडियाकर्मी मूल्यों के प्रसार से जीवन परिवर्तन के इस महाअभियान में सशक्त माध्यम बन सकते हैं।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर भाई ने अपने विडियो संदेश में कहा कि तनाव भरे वातावरण में भले ही शांति का एहसास कठिन लगता है लेकिन मेडिटेशन का जीवन में समावेश करके सच्चा सुख प्राप्त किया जा सकता है। मीडियाकर्मियों को बड़े तपस्वी बताते हुए उन्होने कहा कि तपस्या के बिना लेखन संभव ही नहीं है। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि मेहमान बनकर आये मीडियाकर्मी ज्ञानसरोवर में ज्ञान की डुबकी लगाकर यहां से महान बनकर जायेंगे।

ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के महासचिव एन.के.सिंह ने कहा कि भारत की प्रत्येक संस्था में जब पतन हो रहा है तो मीडिया इससे कैसे अछूता रहता। दिक्कत यह है कि सूचना के अभाव के कारण मीडिया नैतिक दायित्व सही तरह से नहीं निभा पाता। मीडियाकर्मियों को सोचना होगा कि हमें परमात्मा ने नेताओं के कसीदे गढ़ने के लिए इस क्षेत्र में नहीं भेजा। दुर्भाग्य से भारत में गलत प्रतिमान बन रहे हैं। मूल्यों में तेजी से हो रही फिसलन को थामने का सामर्थ्य ब्रह्माकुमारीज जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं में है। हमें इनसे सहयोग करके टुकड़ों में बँट रहे समाज को सही दिशा देने की कठिन परीक्षा में खरा उतरना होगा। कमी हमारी नीयत में नहीं बल्कि ज्ञान में है, इस कमी को दूर करने का नेक नीयती से प्रयास करें।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने अपने आशीर्वचन में मीडिया के कार्य को उत्तम बताते हुए सत्य को परखने और दूसरों के दुख दूर करने में सहभागी बनने का आह्वान किया। मीडियाकर्मियों से कहा उनकी लेखनी समाज को राहत पहुंचाने वाली हो, अशांति फैलाने वाली नहीं।

न्यू वर्ल्ड इंडिया के प्रबंध निदेशक अनिल राय ने कहा कि लोकतंत्र के अन्य स्तम्भों की तुलना में मीडिया के पास संसाधनों का अभाव है। मीडियाकर्मी अपना भविष्य सुरक्षित नहीं महसूस करते। व्यवसायिक लाभ अर्जित करने के लिए नकारात्मकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। टीवी सीरियल विषाद अधिक पैदा करते हैं। यदि हम अपनी परेशानी जानने के लिए आत्मचिन्तन करें तो उसका निवारण करना मुश्किल नहीं होगा। व्यवसाय को समाचारों की सत्यता पर हावी ना होने दें। इस कार्य में मेडिटेशन सहायक बन सकता है।

दीप प्रज्जवलित करके गणमान्य अतिथियों ने सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया।

प्रेस परिषद के सदस्य राजीव रंजन नाग ने अपने सम्बोधन में कहा कि बीते दो-तीन वर्षों में परोक्ष व अपरोक्ष रूप से मीडिया पर कई प्रकार का दबाव बढ़ रहा है। आने वाले कुछ वर्षों में औद्योगिक घराने मीडिया मालिक बनकर 42 प्रतिशत जनसंख्या पर हावी होने की उम्मीद लगाये बैठे हैं। कहीं ऐसा न हो कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का तगमा ही मीडिया से छिन जाये।

मीडिया के सामने मौजूद कठिन चुनौतियों के बारे में मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक प्रो.कमल दीक्षित, लोकमत मुम्बई के समूह सम्पादक दिनकर राय, साक्षी मीडिया समूह हैदराबाद के सम्पादकीय निदेशक डॉ.के.रामचन्द्र मूर्ति ने भी उपस्थिति को सचेत किया।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.करूणा ने शारीरिक योगाभ्यास के साथ-साथ राजयोग अपनाकर मूल्यनिष्ठ बनने का मार्ग प्रशस्त करने संदेश दिया। उन्होने कहा कि मूल्यों के अभाव के कारण ही सामाजिक व प्रशासकीय जीवन में बुराइयां पनप रही हैं। परिस्थितियों में सुखद बदलाव लाने के लिए मीडियाकर्मियों को राजयोग के माध्यम से मनोबल व दृढ़ता जैसे गुण अपनाने का प्रयत्न करना चाहिए।

मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.आत्मप्रकाश ने सम्मेलन में भाग ले रहे मीडियाकर्मियों के प्रति आभार जताया।